Amendment to National Highways Act

804. SHRI GHUFRAN AZAM: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government propose tO' amend tiie National Highways Act;

(b) if so, the reasons; herefor;

(c) whether it is a fact that the condition of National Highways throughout the country is in a very bad shape;

(dj if so, how much expenditure has been incurred by the Central Government to repair the National Highways during the past three years, year-wise; and

(e) what further steps Government propose to contemplate to maintain National Highways?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI MANUBHAI 'KOTADIA): (a) and (b) Yes, Sir. In order to mobilise additional resources.

(c) and (d) National Highways in the country are generally in a traffic worthy condition and improvement works are undertaken keeping in view the existing condition, traffic intensity, inter-se prioity on an All-India basis and availability of funds. Expenditure incurred on maintenance of various National Highways during the past three years is as under: - —

1987-88	Rs. 10, 915. 76	lacs
1988-89	Rs. 14, 634. 61	lacs
1989-90	Rs. 15, 796. 29	lacs

(e) Introduction of computer-aided pavement Management System for optimal utilisation of available scarce resources.

नेपाल में पाकिस्तान समर्थक आतंकवादियों द्वारा अड्डे बनाये जाना

805. श्री राम जेठमलानी :

श्री बलराम सिंह यादव :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान इन समाचारों की ओर दिलाया गया है कि कश्मीर के अनेक पकिस्तान समर्थक आतंकवादी संगठन अपनी गतिविधियां चलाने के लिए नेपाल में अपने अड्डे बना रहे हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस संबंध में नेपाल सरकार के साथ बात की है ;

(ग) क्या नेपाल में इन अड्डों से निपटने के लिए संयुक्त कार्रवाई करने के संबंध में दोनों देशों में कोई समझौता है ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

विदेश मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) जी हां ।

(ख) से (घ) नेपाल और भारत की सरकारों के बीच समुचित स्तरों पर इसके संबंध में विचार-विमर्श होता रहा है । 25–26 नवम्बर, 1990 की हाल की अपनी नई दिल्ली की यात्रा के दौरान नेपाल के प्रधानमंत्री श्री कृष्ण प्रसाद भट्टाराई ने कहा था कि अगर नेपाल राज्य में किसी कश्मीरी अथवा पंजाबी आतंकवादी को शरण देने का कोई मामला उनकी जानकारी में आता है तो वे सख्त कार्रवाई करेंगे । तथापि इस प्रकार के मामलों से संबद्ध कोई औपचारिक द्विपक्षीय समझौता नहीं है ।

फिजी में भारतीय मूल के लोगों के साथ भेदभाव

806. श्री राम जेठमलानी :

डा0 जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 30 जुलाई, 1990 के "द हिन्दू" से "रिटर्न टू द मदरलैंड" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ; यदि हां तो क्या यह सच है कि फिजी में भारतीय मूल के लोगों के साथ भेदभावपूर्ण और अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है ; और